Hindi | हिन्दी

GOVERNMENT OF WESTERN AUSTRALIA

PathWest LABORATORY MEDICINE WA

परिवारों के लिए जानकारी

अपने शिशु की मृत्यु के बाद पोस्टमार्टम (शव-परीक्षण) करवाना

कृपया ध्यान दें कि निम्नलिखित जानकारी कुछ पाठकों के लिए कष्टदायक हो सकती है।

यदि आपके शिशु या आपके किसी करीबी के शिशु की मृत्यु हुई है, तो हम अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हम समझते हैं कि शिशु को खो देना अत्यंत पीड़ादायक है, इसलिए हम इस कठिन समय से गुजरने में आपका और आपके परिवार का समर्थन और देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आपके शिशु की मृत्यु के कारण आपके मन में कई महत्वपूर्ण सवाल उठ सकते हैं जो आपके शोक की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। इन सवालों के जवाब खोजने का एक तरीका आपके शिशु का पोस्टमार्टम कराना है।

इस ब्रोशर (पुस्तिका) का उद्देश्य आपको कुछ और अधिक जानकारी प्रदान करना और अक्सर पूछे जाने वाले कुछ सवालों के जवाब देना है। आपका स्वास्थ्य-देखभाल प्रदाता आपके शिशु का पोस्टमार्टम करने के बारे में आपसे संपर्क करेगा। आप पोस्टमार्टम कराने का विकल्प चुन सकते/सकती हैं या इसे किए जाने से मना कर सकते/सकती हैं। यह निर्णय पूरी तरह से आपका है। आपको अपने स्वास्थ्य-देखभाल प्रदाता से प्रक्रिया के बारे में पूछने का अवसर मिलेगा ताकि आप अपना निर्णय बेहतर ढंग से ले सकें।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

सहमति का क्या अर्थ है?

पोस्टमार्टम शुरू होने से पहले आपकी अनुमति या सहमति आवश्यक होती है; एक वरिष्ठ चिकित्सक इस बारे में आपसे चर्चा करेंगे। यदि आप पोस्टमॉर्टम के लिए सहमति देते/देती हैं, तो आपसे पूछा जाएगा कि आप किस प्रकार के पोस्टमार्टम के लिए अनुमति दे रहे/रही हैं, और यह भी कि पोस्टमार्टम के दौरान जांच-पड़ताल के लिए निकाले गए ऊतकों (टिश्यू) और अंगों की देखभाल कैसे की जाएगी। उदाहरण के लिए, कभी-कभी और अधिक विस्तृत जांच के लिए किसी अंग को रखना सहायक होता है।

आप यह निर्धारित कर सकते/सकती हैं कि किसी अंग को कितने समय तक रखा जा सकता है, और जांच-पड़ताल के अंत में उसकी देखरेख कैसे की जाएगी। सहमति प्रक्रिया में आपकी सहायता करने वाले डॉक्टर इन मामलों पर आपसे चर्चा करेंगे। यह जानना महत्वपूर्ण है कि आपका निर्णय जो भी हो, आपके शिशु की देखभाल हमेशा अत्यंत सावधानी से की जाती है। पोस्टमार्टम इस तरीके से किया जाता है कि प्रक्रिया के बाद आप अपने शिशु को देख पाएँगे और गोद में उठा सकेंगे।

पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल क्या है?

यह मृत्यु के बाद की जाने वाली जांच-पड़ताल है जिसका उद्देश्य आपके शिशु के साथ क्या हुआ था, इसकी यथासंभव जानकारी प्रदान करना है। यह जांच-पड़ताल एक चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा की जाती है जिसे बाल रोग और प्रसवकालीन रोग विशेषज्ञ (Paediatric and Perinatal Pathologist) कहा जाता है, जो कि इस क्षेत्र में विशेष रूप से अनुभवी और प्रशिक्षित होते हैं।

जांच-पड़ताल तीन प्रकार की होती है: **बाहरी**, **संपूर्ण** और **सीमित**। सहमति पत्र में प्रत्येक प्रकार की जांच-पड़ताल के लिए अलग-अलग विकल्प दिए गए हैं। बाहरी जांच-पड़ताल के लिए भाग 2a, संपूर्ण जांच के लिए भाग 2b और सीमित जांच के लिए भाग 2c भरना आवश्यक है।

और अधिक विस्तृत जांच (जैसे कि संपूर्ण जांच) से पैथोलॉजिस्ट को और अधिक जानकारीपूर्ण अंतिम रिपोर्ट प्रदान करने में मदद मिलती है। इससे आपके डॉक्टर या परामर्शदाता को आपके शिशु के साथ हुई घटना को बेहतर ढंग से समझाने में सहायता मिलती है।

बाहरी जांच-पड़ताल सहित प्रत्येक जांच-पड़ताल में निम्नलिखित चरण शामिल होते हैं:

- नैदानिक तस्वीरें (ये जन्मजात विकृतियों का पता लगाने और उन्हें रिकॉर्ड करने में बहुत उपयोगी होती हैं)
- मापों का एक मानक वर्ग (यह निर्धारित करने के लिए कि शिशु का विकास कैसे हुआ है)
- बेबीग्राम (एक प्रकार का एक्स-रे जो कंकाल का आकलन करने में मदद करता है)
- शरीर की बाहरी जांच-पड़ताल (यह देखने के लिए कि शरीर की संरचनाएं और अंग कैसे विकसित हुए हैं)
- प्लेसेंटा (आफ्टरबर्थ) की विस्तृत जांच।

हालांकि पोस्टमार्टम एक बहुत ही विशिष्ट जांच-पड़ताल है, लेकिन इससे हमेशा मृत्यु का कारण निर्धारित करना या सभी निष्कर्षों की व्याख्या करना संभव नहीं होता है।

कृपया यह भी ध्यान रखें कि पैथोलॉजिस्ट नैदानिक तस्वीरें, एक्स-रे और रिपोर्ट अन्य चिकित्सकों के साथ साझा कर सकते हैं, विशेष रूप से जब मामला बहुत जटिल हो तथा अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता हो, या दूसरी राय मांगी जा रही हो।

बाहरी पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल (भाग 2a)

हम समझते हैं कि आप अपने शिशु के शरीर पर कोई चीरा नहीं लगवाना चाहेंगे, और इसमें कुछ गलत नहीं है। नैदानिक तस्वीरों, मापों, बेबीग्राम और प्लेसेंटा की जांच-पड़ताल से भी हमें काफी जानकारी मिल सकती है।

संपूर्ण पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल (भाग 2b)

संपूर्ण पोस्टमार्टम सबसे जटिल और विस्तृत प्रकार का पोस्टमार्टम होता है। इससे पैथोलॉजिस्ट सभी अंगों की जांच-पड़ताल कर सकेंगे ताकि यथासंभव अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो सके। ऑटोप्सी (शव परीक्षण) करने के लिए छाती, पेट और खोपड़ी पर चीरे लगाए जाते हैं।

पोस्टमार्टम के बाद इन चीरों को सावधानीपूर्वक बंद कर दिया जाता है और जब आपके शिशु को सावधानीपूर्वक कपड़े पहनाकर आपको सौंपा जाता है, तो ये दिखाई नहीं देंगे।

सीमित पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल (भाग 2c)

हालांकि संपूर्ण पोस्टमार्टम कराना सर्वोत्तम अभ्यास है, पर हम समझते हैं कि आप कम से कम परीक्षण कराना चाह सकते हैं। यह विशेष रूप से तब लागू हो सकता है जब यह पता हो कि आपके शिशु को किसी प्रकार की निश्चित समस्या थी, उदाहरण के लिए हृदय या मस्तिष्क संबंधी समस्या।

ऐसे भी मामले हो सकते हैं जब आपके चिकित्सीय व्यवसायी ने आपके शिशु की मृत्यु के बाद आनुवंशिक अध्ययन (जेनेटिक स्टडी) कराने की सलाह दी हो। इन मामलों में, सीमित पोस्टमार्टम किया जा सकता है, जैसे:

- सिर पर चीरा लगाए बिना पेट और छाती के अंगों की जांच-पड़ताल
- केवल छाती के अंगों की जांच-पड़ताल
- केवल पेट के अंगों की जांच-पड़ताल
- केवल सिर की जांच-पड़ताल
- केवल आनुवंशिक जांच के लिए ऊतक (टिश्यू) के नमूने लेने के लिए जांच-पड़ताल।

यह निर्णय पूरी तरह से आपका है। सीमित ऑटोप्सी करने के लिए, पैथोलॉजिस्ट द्वारा निर्धारित तरीके के अनुसार चीरा लगाया जाता है। इसे सावधानीपूर्वक बंद कर दिया जाएगा और जब आपके शिशु को सावधानीपूर्वक कपड़े पहनाकर और कंबल में लपेटकर आपको सौंपा जाएगा, तब यह दिखाई नहीं देगा। आपके स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवर इस प्रक्रिया के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

क्या मुझे अभी कोई निर्णय लेने होंगे?

नहीं, अभी आपको कोई निर्णय नहीं लेने होंगे। यह महत्वपूर्ण है कि आप ऐसे निर्णय लें जिनसे आप सहज महसूस करें, और हम समझते हैं कि इसमें कुछ समय लग सकता है। आपकी सहमति के बिना आपके शिशु की कोई भी जांच-पड़ताल नहीं की जाएगी।

कौन से ऊतक (टिश्यू) लिए जाते हैं?
संपूर्ण या सीमित पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल के लिए, बीमारी का पता लगाने के लिए सूक्ष्मदर्शी से जांच हेतु प्रत्येक प्रमुख अंग से नियमित रूप से छोटे नमूने (लगभग मटर के आकार के) लिए जाते हैं। यह जीवनकाल में ली गई बायोप्सी की तरह है। इसी आकार के नमूने अन्य विभागों (जैसे आनुवंशिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान और विषाणु विज्ञान) द्वारा परीक्षण के लिए भी लिए जा सकते हैं। आगे के परीक्षण (जैसे आनुवंशिकी) के लिए एक छोटा सा ऊतक (टिश्यू) भी संग्रहित किया जाता है। कौन सा ऊतक (टिश्यू) लिया जाएगा, इसका निर्णय पोस्टमार्टम के समय पैथोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता है।

इन अतिरिक्त परीक्षणों के परिणाम अंतिम रिपोर्ट में शामिल किए जाते हैं।

ऊतक (टिश्यू) कितने समय तक रखा जाता है?
जब तक अनुमति न दी जाए, आगे के परीक्षण के लिए उपयोग न किए गए सभी ऊतक (टिश्यू), या संग्रहित ऊतक (जैसे फ्रीज किए गए ऊतक [टिश्यू]), पोस्टमार्टम पूरा होने पर शरीर में वापस रख दिए जाते हैं।

सूक्ष्मदर्शी से जांच के लिए प्रयोग किए गए ऊतक (टिश्यू) के साथ क्या किया जाता है?
इस ऊतक (टिश्यू) को पैराफिन ब्लॉक में संसाधित किया जाता है, जिससे एक माइक्रोस्कोप स्लाइड तैयार की जाती है। पैथोलॉजिस्ट माइक्रोस्कोप के नीचे स्लाइड का अध्ययन करके यह निर्धारित करते हैं कि कोई बीमारी है या नहीं। ब्लॉक और स्लाइड को आपके शिशु के रिकॉर्ड के हिस्से के रूप में अनिश्चित काल तक सुरक्षित रखा जाता है और भविष्य में इनका संदर्भ लिया जा सकता है।

ऊतक (टिश्यू) को भंडारण के लिए क्यों लिया जाता है और इस ऊतक (टिश्यू) के साथ क्या होता है?
ऊतकों (टिश्यू) का भंडारण करने के कई कारण हैं। पहला कारण यह है कि पोस्टमार्टम किए जाने के दिन पैथोलॉजिस्ट को यह पक्का पता नहीं हो कि कौन से अतिरिक्त परीक्षण (जैसे आनुवंशिक परीक्षण) किए जाने हैं। यह विशेष रूप से तब होता है जब जांच-पड़ताल जटिल हो। पैथोलॉजिस्ट को संभवत: अंतर्निहित रोग प्रक्रिया की स्पष्ट समझ हो जाने के बाद अतिरिक्त परीक्षण के लिए भेजे जाने हेतु फ्रीज किए गए ऊतक (टिश्यू) उपलब्ध होना बहुत उपयोगी होता है।

दूसरा कारण यह है कि चिकित्सा विज्ञान (और विशेष रूप से आनुवंशिकी का क्षेत्र) तेजी से विकसित हो रहा है, और उन्नत परीक्षणों (एडवांस्ड टेस्टिंग) के लिए ऊतक (टिश्यू) का उपलब्ध होना बहुत सहायक होता है। भंडारण के लिए प्रयोग किए जाने वाले ऊतक (टिश्यू) को एक विशेष प्रक्रिया द्वारा -80 डिग्री पर जमाया जाता है और पैथवेस्ट (PathWest) प्रयोगशाला में 20 वर्षों तक रखा जाता है। इस ऊतक (टिश्यू) का उपयोग बाद में परीक्षण, विशेष रूप से आनुवंशिक परीक्षण के लिए किया जा सकता है।

क्या आप अंगों को संभाल कर रखते हैं?
नहीं। जब तक आप किसी अंग को संभाल कर रखने के लिए अपनी सहमति नहीं देते/देती हैं, सभी अंगों को शरीर में वापस रख दिया जाता है। हालांकि, क्योंकि मस्तिष्क जैसे कुछ अंगों की रासायनिक उपचार (जिसे फिक्सेशन कहा जाता है) के बिना संतोषजनक जांच संभव नहीं है, इसलिए पोस्टमार्टम शुरू होने से पहले आपके स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवर आपको यह कह सकते/सकती हैं कि आप पैथवेस्ट (PathWest) को शरीर के अंग को कुछ और समय तक रखने की अनुमति दें और सहमति पत्र के भाग 3 को पूरा करें।

यदि अनुमति मिल जाती है और अंग को फिक्सेशन के लिए रखा जाता है, तो दाह संस्कार और दफनाने के विकल्प इस प्रकार हैं:

1. जांच-पड़ताल पूरी होने तक दाह संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया को विलंबित करना (इसमें दो सप्ताह तक का समय लग सकता है) या;
2. दाह संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना और उस अंग को बाद में अलग से दफन करना।

आनुवंशिक परीक्षण (जेनेटिक टेस्टिंग) के बारे में क्या?
पिछले एक दशक में, बीमारियों और जन्मजात विकारों के आनुवंशिक आधार की समझ में जबरदस्त वृद्धि हुई है। आनुवंशिक परीक्षण एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है और इसे एक विशेषज्ञ प्रयोगशाला में किए जाने की आवश्यकता होती है। यह परीक्षण पोस्टमार्टम के समय, उसके बाद या दोनों ही स्थितियों में किया जा सकता है, यह अंतर्निहित बीमारी की प्रक्रिया पर निर्भर करता है। आमतौर पर, ऊतक (टिश्यू) के मटर के दाने के आकार का एक छोटा टुकड़ा (उदाहरण के लिए संपूर्ण या सीमित पोस्टमार्टम में मांसपेशी से, या बाहरी पोस्टमार्टम में गर्भनाल से) निकाले जाना एक सामान्य अभ्यास है, जिसे एक विशेष प्रक्रिया द्वारा जमाया (फ्रीज किया) जाता है। इसके बाद ऊतक (टिश्यू) को या तो आनुवंशिकी प्रयोगशाला में भेजा जाता है, या संग्रहित किया जाता है, या फिर ये दोनों काम किए जाते हैं। आप सहमति पत्र के भाग 2a, 2b या 2c में "हाँ(yes)" या "नहीं (no)" बॉक्स पर निशान लगाकर आनुवंशिक परीक्षण के लिए सहमति दे सकते/सकती हैं या इसे अस्वीकार कर सकते/सकती हैं।

यद्यपि आनुवंशिक परीक्षण बहुत प्रगतिशील विधि है, फिर भी हो सकता है इससे हमेशा जवाब न मिले। कभी-कभी आनुवंशिक परीक्षण से यह संकेत मिल सकता है कि परिवार के अन्य सदस्य बीमारी के वाहक हो सकते हैं और उनका भी परीक्षण किया जाना चाहिए। आपके डॉक्टर आनुवंशिक परीक्षण के प्रभावों के बारे में आपसे चर्चा कर सकते हैं; यह पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल से अलग एक सहमति प्रक्रिया है।

क्या ऊतकों (टिश्यू) का उपयोग अनुसंधान जैसे अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है?
कानून अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं शिक्षा तथा गुणवत्ता आश्वासन जैसे अन्य उद्देश्यों के लिए ऊतकों (टिश्यू) के उपयोग की अनुमति देता है।

उदाहरण के लिए, शोधकर्ता पोस्टमार्टम ऊतक (टिश्यू) का अध्ययन करना चाह सकते हैं। नैतिक अनुसंधान, या अन्य उद्देश्यों के लिए ऊतक (टिश्यू) उपलब्ध कराने की सहमति पोस्टमार्टम सहमति प्रक्रिया के दौरान दी जा सकती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी शोध राष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मानव संबंधी अनुसंधान में नैतिक आचरण पर राष्ट्रीय वक्तव्य के अनुरूप और अस्पताल की नैतिकता टीम द्वारा अनुमोदित होने आवश्यक हैं। सभी ऊतकों (टिश्यू) से पहचान हटा दी जाएगी, जिससे आपकी और आपके शिशु की पहचान सुरक्षित रहेगी।

यदि आप नहीं चाहते/चाहती कि आपके शिशु के ऊतकों (टिश्यू) का उपयोग अनुसंधान, गुणवत्ता आश्वासन या शिक्षा के लिए किया जाए, तो आप भाग 2a, 2b या 2c के संबंधित अनुभाग में लागू शब्दों को काट सकते हैं।

पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल की रिपोर्ट में क्या जानकारी होती है?

जांच-पड़ताल के बाद, पैथोलॉजिस्ट आपके और आपके शिशु की देखभाल करने वाले डॉक्टर को एक रिपोर्ट लिखेंगे, जिसमें उनके निष्कर्षों का विवरण होगा। इसे पूरा करने में 6-8 सप्ताह का समय लगता है।

इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी आपके स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवर को आपके साथ इस बात पर चर्चा करने में मदद करती है कि आपके शिशु की मृत्यु क्यों हुई और भविष्य की गर्भावस्थाओं के लिए क्या जोखिम हैं। सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते समय आप गैर-तकनीकी भाषा में रिपोर्ट (जिसे सरल भाषा रिपोर्ट [Plain Language Report] कहा जाता है) का अनुरोध भी कर सकते/सकती हैं।

कृपया ध्यान दें कि तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों प्रकार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट केवल सहमति पत्र में नामित डॉक्टर को ही भेजी जा सकती हैं।

जांच कहाँ की जाती है?

आपके शिशु को किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल (King Edward Memorial Hospital, KEMH)/वुमेन एंड न्यूबॉर्न हेल्थ सर्विस (Women and Newborn Health Service,WNHS) के पेरिनेटल पैथोलॉजी (पैथवेस्ट) विभाग में रखा गया है। यदि आप अपने शिशु की जांच-पड़ताल किए जाने का अनुरोध करते/ती हैं, तो उसे पैथवेस्ट द्वारा अनुमोदित परिवहन कर्मियों द्वारा पर्थ चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल (Perth Children's Hospital, PCH) के पैथवेस्ट पीडियाट्रिक और पेरिनेटल पैथोलॉजी विभाग में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जहाँ जांच-पड़ताल करने की सुविधाएं उपलब्ध हैं। जांच-पड़ताल पूरा किया जाने के बाद, आपके शिशु को उसी दिन KEMH के पेरिनेटल पैथोलॉजी विभाग में वापस ले जाया जाएगा।

जांच-पड़ताल के दौरान और कौन उपस्थित होता है?

पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल के दौरान, अपनी ट्रेनिंग के भाग के तौर पर या जांच के निष्कर्षों की समीक्षा करने के लिए एक ट्रेनी (प्रशिक्षणार्थी) डॉक्टर, मिडवाइफ (दाई), नर्स, प्रयोगशाला तकनीशियन या विशेषज्ञ (स्पेशलिस्ट) उपस्थित हो सकते हैं।

सलाह के लिए मैं किससे बात कर सकता/सकती हूँ?

पोस्टमॉर्टम कॉर्डिनेटर (समन्वयक) या आपके डॉक्टर निष्कर्षों की समीक्षा करने के लिए पोस्टमार्टम जांच-पड़ताल से संबंधित आपके सभी सवालों पर आपके साथ चर्चा कर सकेंगे।

सांत्वना, सहायता, त और अधिक जानकारी

पीडियाट्रिक मॉर्चरी (Paediatric Mortuary) द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं के बारे में जानकारी हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिनमें शामिल हैं:

- अंतिम दर्शन की व्यवस्था
- अंतिम दर्शन की व्यवस्था
- अंतिम संस्कार।

PathWest से संपर्क करें

कार्यालय का समय
सोमवार से शुक्रवार
सुबह 7:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक

0414 930 260

perinatal.pathology@health.wa.gov.au

pathwest.health.wa.gov.au

स्थान
P Block, King Edward Memorial Hospital
Hensman Road, Subiaco WA 6008

डाक पता
PO Box 134, Subiaco WA 6904